तुलसीदास

संक्षिप्त परिचय

- जन्म- संवत् 1554 वि० (सन् 1532 ई०)
- जन्म स्थान- राजापुर गाँव (चित्रकूट)
- पिता - आत्माराम दुबे
- माता- हुलसी
- बचपन का नाम- रामबोला
- भाषा- अवधी तथा ब्रज
- शैली- छप्पय, दोहा, चौपाई, कवित, सवैया, आदि।
- मृत्यु- संवत् 1680 वि० (सन् 1623 ई०)
- प्रमुख कृतियाँ- रामचरितमानस, जानकी, मंगल, दोहावली, गीतावली, पार्वती मंगल, रामलला-नहछू, रामाज्ञा प्रश्न आदि।

जीवन-परिचय-

तुलसीदास जी के जन्म व स्थान के विषय में विद्वानों में मतभेद हैं। मूल गोसाईं चरित एवं तुलसी-चरित में इनका जन्मस्थान राजापुर बताया गया है। अन्य कुछ विद्वान 'सोरों' नामक स्थान पर जन्में बताते हैं। आचार्य शुक्ल के अनुसाार भी इनका जन्म राजापुर में ही माना जाता है। जन्म संवत् 1554 वि० (सन् 1532 ई०) में बताया जाता है, और यही सर्वाधिक प्रचलित है।

पिता का नाम आत्माराम दुबे और माता का नाम हुलसी था। जन्म के सम्बन्ध में एक दोहा प्रचलित है-

"पन्द्रह सौ चौवन विसे, कालिन्दी के तीर।
श्रावण शुक्ला सप्तमी, तुलसी धर्‌यो शरीर।।"

बचपन का नाम 'रामबोला' था। जन्मे तो दाँत भी थे और मुँह से राम निकला था। राक्षस समझकर इनके पिता ने त्याग दिया तो एक दासी ने इनको पाला तथा बाबा नरहरिदास ने अपना शिष्य बनाया। इनका विवाह रत्नावली से हुआ था परन्तु उससे विरक्त हो गए। काशी में शेष सनातन से वेद-वेदांगों की शिक्षा ली। फिर राम के चरित्र का गायन करने लगे और रामचरित मानस की रचना की। इनका समय काशी, अयोध्या और चित्रकूट में बीता। मृत्यु के सम्बन्ध में भी एक दोहा प्रसिद्ध है-

"संवत् सोलह सौ असी, असी गंग के तीर।

श्रावण शुक्ला तीज सनि, तुलसी तज्यो शरीर।।"

प्रमुख कृतियाँ- तुलसी दास जी की 12 प्रामाणिक रचनाएँ मानी जाती है-

- पार्वती मंगल, जानकी मंगल
- वैराग्य संदीपनी
- बरवै रामायण
- रामाज्ञा प्रश्न
- कृष्ण गीतावली, गीतावली, दोहावली, कवितावली
- रामचरित मानस
- विनय पत्रिका
- रामलला नहछू